B.A. Final (CBCS Pattern) Semester - V

BA25B-4 : Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 5 **GUG/S/23/13021**

Time : Three Hours * 2 1 3 9 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

तेन खो पन समयेन राजा मागधो अजातसत्तु वेदेहिपुत्तो वज्जी अभियातुकामो होति। सो एवमाहं - अहं हि इमे वज्जी एवं महिध्दिकें. एवं महानुभावे, उच्छेजामि वज्जी, विनासेस्सामि वज्जि अनय व्यसनं आपादेस्सामि वज्जी ति। अथ खो राजा मागधो अजातसत्तुं वेदेहिपुत्तो वस्सकारं मगध महामत्तं आमन्तेसि - 'एहि त्वं ब्राह्मण। येन भगवा तेनुपसङ्कम, उपसङकमित्वा मम वचनेन भगवतो पादे सिरसा वन्दाहि। अप्पाबाधो अप्पातङकं लहुट्ठाने बलं फासुविहारं पुच्छं राजा भन्ते। मागधो अजातसत्तुं वेदेहिपुत्तो भगवतो पादे सिरसा वन्दति।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन नालंदा तदवसरि। तत्र सुदं भगवा नालन्दाय विहरति पावारिकम्बवने। अथ खो आयस्मा सारिपुत्तो येन भगवा, तेनुपसङ्कमि उपसङकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो आयस्मा सारिपुत्तो भगवन्तं एतदवोचं - एवं पसन्नो अहं भन्ते। भगवति न चाहु, न च भविस्सन्ति न चेत्तरहि विज्जति अञ्ञा समणो वा ब्राह्मणो वा भगवता भिय्यो मिञ्ञत्तरो यदिदं सम्बधियन्ति।

ब) सारिपुत्ताचा सिंहनाद सांगा. **6**
सारिपुत्त का सिंहनाद बताईए।

किंवा / अथवा

'पाटलिगामे नगरमापनं' विषयी माहिती द्या.
'पाटलिगामे नगरमापनं' संबंधी जानकारी दीजिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा कोटिगामे यथाभिरन्त विहरित्वा आयस्मन्त आनन्दं आमन्तेसि - "आयामानन्द। येन नातिका, तेनुपसङ्कमिस्सामा' ति। एवं भन्ते ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पच्चस्सोसि। अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन नातिका तदवसरि। तञापि सुंद भगवा नातिके विहरति गिब्जकावसथे। अथ खो आयस्मा आनन्दो येन भगवा तेनुसङकमि, उपसङकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो आयस्मा आनन्दो भगवन्तं एतदवोच - सल्हो नाम भन्ते। भिक्खु नातिके कालकतो तस्स का गति को अभिसम्पराञो।

किंवा / अथवा

अथ खो अम्बपालि गणिका दहरानं, दहरानं लिच्छवीनं अक्खेन अक्खं चक्केन चक्कं युगेन युगं पटिवट्टेसि। अथ खो ते लिच्छवी अम्बपालि गणिकं एतदवोचुं कि जे अम्बपालि दहरानं दहरानं लिच्छवीनं अक्खेन अक्खं चक्केन चक्कं युगेन युंग पटिवट्टेसि' ति? तया हि पन मे अय्यापुत्ता। भगवा निमन्तितो स्वातनाय भत्तं सध्दिं भिक्खुसंघेना' ति। देहि जे अम्बपालि। एतं भत्तं सतसहस्सेना' ति। सच्चेपि मे अय्यपुत्तं वेसालिं साहारं दस्सथ, एवमहं तं भत्तं न दस्सामि ' ति। अथ खो ते लिच्छवी अङगली पोटेसुं जितम्हा वत भो अम्बकाय। जितम्हा वत भो अम्बकाया' ति।

ब) 'चत्तारि अरियसच्चानि' स्पष्ट करा. **6**
'चत्तारि अरियसच्चानि' स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

'धम्मादासो'' स्पष्ट करा.
'धम्मदासो' स्पष्ट कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) अप्पमादो अमत पदं पमादो मच्चुनो पदं।
अप्पमत्ता न मीयन्ति ये पयत्ता यथा मता॥

2) एवं विसेसतो ञत्वा अप्पमादम्हि पण्डिता।
अप्पमादे पमोदन्ति अरियानं गोचरे रता॥

3) ते झायिनो सातातिका निच्चं दळ्ह परक्कमा।
फुसन्ति धीरा निब्बाण योगक्खेम' अनुत्तरं॥

4) उट्ठानवतो सतिमतो सुचिकम्यस्स निसम्मकारिनो।
सञ्ञतस्स च धम्मजीविनो, अप्पमत्तस्स असोभिवड्ढति॥

किंवा / अथवा

1) अनिक्कसावो कासावं यो वत्थं परिदहेस्सति।
अपेतो दमसच्चेन न सो कासावमरहति॥

2) यो च वन्तकसावस्सा सीलेसु सुसमाहितो।
उपेतो दमसच्चेन स वे कासावमरहित॥

3) असारे सारमतिनो सारे चासार दस्सिनो।
ते सारं नाधिगच्छन्ति मिच्छासङकप्पगोचरा॥

4) सारञ्च सारतो यत्वा असारञ्च असारतो।
ते सारं अधिगच्छन्ति सम्मासङकप्पगोचरा॥

ब) दोससुत्तांचा सारांश लिहा. **6**
दोससुत्तांचा सार लिखिए।

किंवा / अथवा

'धम्मपद' ग्रंथाची माहिती सांगा.
'धम्मपद' ग्रंथ की जानकारी बताईए।

4. अ) विभक्ती रुपे लिहा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती रुप लिखिए **कोई भी एक।**

वधू, धेनु, मातु, सब्बञ्ञू

ब) सन्धी करा **कोणतेही दोन.** **4**
सन्धि कीजिए **कोई भी दो।**

मुनि + चरे, आकासे + इव, त्वं + असिं, सो + अहं

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) अहं चक्खुना रुपं न पस्सिस्सामि।

2) सो गेहे सद्दं सुणाति।

3) अज्ज मेघा दिस्सन्ति।

4) त्वं मधुं किणाति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) तो माझ्या घरी येतो.
वह मेरे घर आता है।

2) आज मी गावाला जाणार आहे.
आज मै गावं को जाऊंगा।

3) भिक्खु विहारात जातो.
भिक्खु विहार में जाता है।

4) आई भात शिजविते.
माता भात पकाती है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) दीघनिकाय 2) इतिवृत्तक

3) लोभसुत्त 4) धम्मपदं

ब) पर्यायी उत्तरे लिहा. **10**
पर्यायी उत्तरं लिखिए।

1) महापरिनिब्बाणसुत्तं कुठे येते.
महापरिनिब्बाणसुत्तं कहाँ आता है।
अ) दीघनिकाय ब) मज्झिमनिकाय
क) धम्मपदं ड) इतिवृत्तकं

2) इतिवृत्तकं ग्रंथात सुत्ते किती?
इतिवृत्तक ग्रंथ में सुत्तं कितने?
अ) 110 ब) 112
क) 115 ड) 117

3) धम्मपद ग्रंथात वग्ग किती?
धम्मपद ग्रंथ में वग्ग कितने?
अ) 25 ब) 26
क) 27 ड) 28

4) धम्मपदात गाथा किती?
धम्मपद में गाथा कितनी है?
अ) 420 ब) 421
क) 422 ड) 423

5) पालित मुळाक्षरे किती?
पालि में मुळाक्षरं कितने?
अ) 40 ब) 43
क) 45 ड) 50

6) पालित कारक किती?
पालि में कारक कितने?
अ) 08 ब) 09
क) 10 ड) 12

7) दोसंसुत्ताचा विषय सांगा.
दोसंसुत्तं का विषय बताईए।
अ) द्वेष ब) राग
क) लोभ ड) काम

8) वज्जी लोकांना किती नियम तथागतांनी सांगितले.
वज्जी लोगों को कितने नियम तथागतने बताए।
अ) 07 ब) 08
क) 09 ड) 10

9) तथागतांच्या अंतिम तीन महिन्यांचे हकिकत या सुत्तात येते.
तथागत के अंतिम जीवन यात्रा की हकीकत इस सुत्तं में आती है।
अ) महासीलं ब) बुध्दचरित्तं
क) महापरिनिब्बाण ड) जीवनगाथा

10) दीर्घ आकारांच्या सुतांच्या संग्रहास म्हणतात.
दीर्घ आकार के सुत्तं संग्रह को कहते है।
अ) मज्झिमनिकाय ब) दीघनिकाय
क) इतिवृत्तक ड) धम्मपदं

****